

U
S

सहायक कलेक्टर

आबूपर्वत

20/11/23 पत्रावली जेव्हा उक्त पत्रावली

उक्त पत्रावली वरून सुम्मी

पत्रावली द्वारे प्रार्थना पत्र प्रस्तुत

कर कथन कि प्रार्थना 3²

— ममममम



U
सहायक कलेक्टर

आबुरोड (सिरोही)

प्राचीन के कृषि भूमि में गांधी धामसरा
के खसरा नंबर 86/1 व 86/2 का
कृषि से विना अधिजाय संपरिवर्तन
की कार्रवाई हेतु उक्त कृषि भूमि
की खेड सीमा में जाने वाली कृषि
भूमि का रास्ता हेतु समर्पित किया गया
था। उक्त समर्पित कृषि भूमि का
खसरा रेकॉर्ड में दर्ज होने के नये
खसरा नंबर 86/4 व 86/5 हुए।
परन्तु सड़क से उक्त खसरा नंबरों
की किस्म रास्ता के स्थान पर बरकती-1
दर्ज कर दिया गया है जिसे संशोधन
कर उक्त खसरा नंबरों 86/4 एवं
86/5 की किस्म में मुफ्त रास्ता
दर्ज करवाने का कथन किया है।

तहसीलदार काबूरोड ने अपनी
रिपोर्ट दिनांक 19.4.2023 8R/3 का
खसरा नंबरों 86/4, 86/5 की किस्म
संशोधन कर रास्ता अंकन किया
जाना उचित होने का कथन किया है।

हमने कस पर मनन किया
एवं फतवा की पर उक्त
इलाक़े की का इलाक़े का किया

सहायक कमिश्नर
आबूरोड (सिरोही)

— 19/4/23

मेरी पत्नी के प्रकृत प्राणिकरण व
तहसीलदार काबूरोड के द्वारा दिनांक
19/4/2023 मध्य दस्तावेजों व प्रमाणिकरण
किया। इन्फॉर्मेशन की कक्षा दुनी तथा
राज्य नू-राजस्व क्रि. 1956 की धारा 136
के प्रावधानों के तहत यह स्पष्ट है कि
खसरा संख्या 86/1 व 86/2 का
संपर्कित उसके तत्कालीन खानेदारों द्वारा
करवाया गया जिसमें Indians food congress
के माफ डंड किंगुवार रास्ते की भूमि को
समर्पित तत्कालीन खानेदारों द्वारा वास्तु
हेतु किया गया जिसमें खसरा संख्या 86/1
में से रास्ते हेतु समर्पित भूमि का
नया खसरा नंबर 86/4 संख्या 5 दिखी
राजस्व रेकॉर्ड में अंकित किया गया तथा
समर्पण कादेश तत्कालीन तहसीलदार द्वारा
दिनांक 10-01-2017 को जारी किया गया
जिसमें स्पष्ट लिखा गया कि संपर्कित पत्नी
हल्का उपरोक्त समर्पित भूमि को रास्ते हेतु
रेकॉर्ड में अंकन करा परंतु उक्त खसरा
संख्या 86/4 सहवन से रास्ते हेतु अंकित
नहीं किया गया करन कारानी-1 ही अंकित
किया गया जो राजस्थान नूराजस्व क्रि. 1956 की
धारा 136 के तहत निषिद्ध गलती से होना
चाहता जाय है।

सहायक सिलेक्टर
आबूरोड (मिसेही)

इसी संख्या 2 खसरा संख्या

86/2 में ही 86/5 संख्या 6 विहवा
रास्ते हेतु संकेतिक खसरेदार ने समानि
किया जिसके सहस्रीलदार काबूरोड द्वारा
जारी आदेश दिनांक 10-01-2017 से
संकेतिक खसरी संख्या को जारी किया
गया। परन्तु उपरोक्त खसरा संख्या

86/5 संख्या 6 विहवा का सहवन से
रास्ते हेतु अंकित नहीं किया गया वरत
आरानी-1 ही अंकित किया गया जो
अनु. 2-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा
136 के तहत लिपिकिय गायती से
होना जाना जाता है।


चूंकि उपरोक्त खसरा नंबर
86/4 व 86/5 वर्तमान के राजस्थान
खसरा के नाम अंकित हैं। अतः
दिलखट्ट पंडितकार राजस्थान खसरा
जारी सहस्रीलदार काबूरोड ने अपने
जवाब में उपरोक्त लिपिकिय खसरे
को सही करने की आशंका की है।

अतः अनु. 2-राजस्व अधिनियम की
धारा 136 में वर्णित शक्तियों का
प्रयोग करते हुए यह आदेशित किया

सहायक लिपिकिय
आबूरोड (सिरोही)

— अ. ग. ग. र.

जाना है कि खसरा संख्या 86/4
खसरा 05 विस्वा तथा खसरा संख्या
86/5 खसरा 06 विस्वा जो राजस्व रेकर्ड
में कारानी की दर्ज है को राजस्व रेकर्ड
में जोर मुमकिन वास्ता दर्ज किया जावे।
तहसीलदार आबूरोड उक्त का राजस्व
रिकार्ड में इसका दरामद कर।
फावली के लिये शुभार हाकिम
नेर ल कर है।


सहायक कलेक्टर
आबूरोड (सिरोही)